

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

01129

दिसम्बर, 2015

पी.जी.डी.टी. - 01 : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अंतःभाषिक अनुवाद तथा अंतरभाषिक अनुवाद की संकल्पनाएँ स्पष्ट करते हुए इन दोनों के अंतर पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

राष्ट्रीय एकता तथा सामासिक संस्कृति के विकास में अनुवाद का महत्व रेखांकित कीजिए।

2. श्रेष्ठ अनुवादक में कौन-कौन से गुण अपेक्षित होते हैं? सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20

अथवा

अनुवाद में कंप्यूटर शब्दकोश की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2x10=20
- (क) प्रभावधर्मी अनुवाद
- (ख) लिप्यंकन तथा लिप्यंतरण
- (ग) एकभाषिक शब्दकोश
- (घ) अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धांत

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** अभिव्यक्तियों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 5x2=10
- (क) To fight tooth and nail
 (ख) Bird's eye view
 (ग) A drop in the ocean
 (घ) Between the devil and deep sea
 (ङ) Handsome is that handsome does
 (च) All that glitters is not gold
 (छ) Killing two birds in one stone
 (ज) To add insult to injury
5. निम्नलिखित शब्दों को कोशक्रम में रखिए : 10
- (क) Donate, deed, date, dill, direct, drab, diagnose, drink, deer, draw.
 (ख) निस्सार, निंदा, नौ, नियति, न्याय, नेता, नाम, निर्माण, निर्वाचन, नृत्य।
6. निम्नलिखित में से **किसी एक** का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10
- (क) There was one other person, young in comparison with those belonging to the orthodox (परंपरावादी) leadership of the Congress, who appeared on the scene. His name was Jayaprakash Narayan. Jayaprakash had a fascinating (अनोखा) background. He was a peasant's son who was reared in a little village in the province of Bihar and who saw a tramcar for the first time in his life at the age of nineteen. Later, in search of learning, he went to America. There he lived for eight years and studied

at five different universities. In order to live (जीविका कमाने के लिए) while he studied, he worked long hours on the farms of California. He gathered fruit, sorted baskets and packed fruit boxes.

While in America, he had also worked as a mechanic in a shop and as a waiter in a small town restaurant. When the day's work was over, he read socialist literature and studied mathematics, physics, chemistry, biology, psychology, economics and sociology.

- (ख) There are travellers and tourists. Tourists see the sights (दर्शनीय स्थल) and miss the country. Travellers see the country and the sights too.

Travellers are received with hospitality because they came with a special interest, tourists with formality because they came only with curiosity.

Do you like gardens ? Passionate gardeners in every city in the world will take you to see their gardens. Enroute (राह में) you will see the temples, palaces and other interesting things. But if you go out only to see the sights, you will miss the gardens and the delightful people who live in them.

Don't be a tourist. Throw away your guide book and move according to your interest. Whether your passion is architecture or orchids (ऑर्किड), child welfare (बाल कल्याण) or rock garden, fishing or folk-dancing, butterflies or bridge, you will find people with similar interests everywhere.

7. निम्नलिखित में से किसी एक का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 10

(क) गांधीजी की अहिंसा समाज के राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक सभी क्षेत्रों को छूती थी। आर्थिक शोषण को वे हिंसा मानते। अस्पृश्यता जैसे सामाजिक अन्याय को वे हिंसा मानते। 'सभ्य' समझा जाने वाला मनुष्य अपने विकास की ज़रूरतों को निरंतर बढ़ाते रहने को विकास मानता है। गांधीजी इसे हिंसा मानते और कहते कि इस पृथ्वी में हरेक की ज़रूरत पूरी करने जितनी संपत्ति तो है पर हरेक के लोभ को पूरा करने जितनी नहीं। प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण का मनुष्य शोषण करे, उसे भी गांधीजी की अहिंसा स्वीकार नहीं करती। इस प्रकार गांधीजी की अहिंसा समग्र संस्कृति को समेटती थी (encompassed)। संपूर्ण संस्कृति को समेटने वाली अहिंसा के विषय में गांधीजी की यह अपेक्षा रहती कि प्रत्येक कर्म में वह प्रकट होनी चाहिए। सच्ची अहिंसा कर्म में तभी प्रकट होती है, जब वह मनुष्य के मन व वाणी में भी उतरी हो। ऐसा करने के लिए मनुष्य को निरंतर जागरूक रहते हुए प्रयास करना चाहिए।

(ख) श्रेष्ठ अनुवादक वही समझा जाता है जो स्रोत तथा लक्ष्य, दोनों भाषाओं की आंतरिक और बाह्य संरचना की पूर्ण जानकारी रखता हो, क्योंकि ऐसा होने पर ही वह मूल कथ्य के भाव को लक्ष्य भाषा में रूपांतरित कर पाएगा। स्रोत भाषा की सामग्री को लक्ष्य भाषा में रूपांतरित करने

के प्रयास में अनुवादक को सर्वप्रथम यह देखना होता है कि वह सामग्री किस विषय अथवा किस ज्ञान क्षेत्र (discipline) की है। उस सामग्री का संबंध किस क्षेत्र या विधा से है। यदि वह साहित्य है तो साहित्य में भी नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, डायरी, यात्रा, वृत्तांत (travelogue), आत्मकथा, आलोचना, शोध, समीक्षा अथवा काव्य आदि में से क्या है। वह सामग्री ज्ञान-विज्ञान के विविध क्षेत्रों से संबद्ध है या दूर-संचार से संबद्ध है तो किस विषय की है। इस प्रकार, अनुवादक के लिए आवश्यक है कि वह उस ज्ञान-क्षेत्र के लिए अपेक्षित शब्दावली, भाषा, शैली आदि को ध्यान में रखे।
